PG/IS/HINDI/102/24

M.A. 1st Semester Examination, 2024

HINDI

(*आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य*)

PAPER – HINDI-102

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

GROUP – A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

   (*क*) कबीर के काव्य में भक्ति के स्वरूप पर विचार कीजिए ।

   (*ख*) तुलसीदास की रामराज्य की परिकल्पना की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

(*ग*) 'नागमती वियोग खंड' के आधार पर जायसी की विरह भावना पर प्रकाश डालिए ।

(*घ*) मीराबाई की विरह भावना पर प्रकाश डालिए ।

GROUP – B

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* के यथानिदेश उत्तर दीजिए : 5×4

(*क*) मन रे मनहीं उलटि समानां ।
गुर प्रसादि अकल भई तौकौ, नही तर था बेगाना ।।
नैरे थैं दूरि दूर थैं नियरा, जिनि जैसा करि जाना ।
औलौती का चदया वलीडै जिनि पिया तिनि जाता ।।
– का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(*ख*) नागमती वियोग खंड में वर्णित 'बारहमासा' पर टिप्पणी लिखिए ।

(*ग*) आंखियां हरि दर्शन की भूखी ।
कैसे रहैं रूपरसराची ये बतिया सुनि रूखी ।
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहीं झूखी ।
अब इन जोग संदेशन उधौं अति अकुलानी दुखी ।
पक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(घ) 'भ्रमरगीत' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी लिखिए ।

(ङ) बिहारी की काव्य कला पर प्रकाश डालिए ।

(च) आखैं जोन देखैं तौ कहा है कुछ देखती ये
ऐसी दुख हारनि की दसा आप देखिए
प्रानन के प्यारे जान रूप उजियोरे विना
मिलन तिहारे रहे कौन लेखें लेखिए
– का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

[Internal Assessment — 10 Marks]